30 बंधुआ मजदूरों को छुड़वाया

चित्रकूट-बांदा निवासी महिलाएं व नाबालिग मजदूर शामिल

अमर उजाला ब्यूरो

चित्रकूट। हरियाणा के भिवानी जिले में बंधुआ मजदूरी कर रहे 30 मजदूरों को जिसमें नाबालिग व महिलाएं भी शामिल है उनको बंधुआ मुक्ति मोर्चा के प्रयास से छुड़वाया गया।

बधुंआ मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दलसिंगार सिंह ने बताया कि बुंदेलखंड क्षेत्र में बेरोजगारी की समस्या व खेती की उपज कम होने से मजदूर रोजगार के लिए शहरों में पलायन कर जाते हैं। चित्रकूट जिले व बांदा जिले के 30 मजदूर जिसमें महिलाएं व नाबालिग बच्चे भी हरियाणा प्रदेश के भिवानी जिले में ईट भट्टा पर बंधुआ बनाकर कार्य कराया जाता रहा। उनको भिवानी जिले के अधिकारियों से मिलकर छुड़वाने का कार्य किया है। मजदूर चित्रकूट जिले के गढ़चपा व बांदा जिले के उमराहनी गांव के है। जिसमें हरिचंद्र, चुनकीवा, लक्ष्मी, सविता, राहुल, जानकी, मोहित, किशानिया, अशोक, ब्रेजमोहन आदि है। प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया है मजदूरों को छुड़वाते वक्त बंधुआ मजदूरी प्रथा अधिनियम का उल्लंघन किया जाता है। मजदूरों को प्रमाण पत्र नहीं दिए जाते।

बंधुआ मुक्ति मोर्चा द्वारा हरियाणा भिवानी से छुडाकर लाए गए मजदूर।